1

ओ३म्
कृण्वन्तो विश्वमार्यम्

साप्ताहिक
आर्य सन्देश

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा का मुखपत्र

एनो मा नि गाम्।
अथर्व. 5/3/4
हे प्रभो! मैं पापी न बनूं।
O God! I should never become a sinner.

वर्ष 41, अंक 38 एक प्रति : 5 रुपये
सोमवार 9 जुलाई, 2018 से रविवार 15 जुलाई, 2018
विक्रमी सम्वत् 2075 सृष्टि सम्वत् 1960853119
दयानन्दाब्द : 195 वार्षिक शुल्क : 250 रुपये पृष्ठ 8
फैक्स : 23365959 ई-मेल : aryasabha@yahoo.com
इंटरनेट पर पढ़ें – www.thearyasamaj.org/aryasandesh

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली : 25-28 अक्टूबर, 2018

लघु भारत मॉरिशस में पहुंचा महासम्मेलन आमन्त्रण

महासम्मेलन के संयोजक श्री धर्मपाल आर्य एवं हरियाणा सभा के प्रधान मा. रामपाल जी मॉरिशस पहुंचे

महामहिम राष्ट्रपति श्री परमाशिवम पिल्ले से भेंट करके दिया निमन्त्रण

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली की तैयारी के चलते मारीशस पहुंचे हरियाणा सभा के प्रधान मास्टर रामपाल एवं दिल्ली सभा के प्रधान श्री धर्मपाल आर्य का मॉरिशस के आर्य महानुभावों ने एअरपोर्ट पर स्वागत किया। यहां पहुंचने पर हरियाणा मास्टर रामपाल जी द्वारा मॉरिशस के राष्ट्रपति महामहिम श्री परम

राष्ट्रपति महामहिम श्री परमशिवम पिल्ले जी को महर्षि दयानद जी का चित्र एवं जीवन परिचय भेंट करते महासम्मेलन संयोजक श्री धर्मपाल आर्य जी, हरियाणा सभा के प्रधान मा. रामपाल जी, मॉरिशस सभा के प्रधान श्री रामधनी जी एवं आर्यसभा मॉरिशस के पदाधिकारीगण

आर्य सभा मॉरीशस के पदाधिकारियों के साथ महासम्मेलन संयोजक एवं दिल्ली सभा के प्रधान श्री धर्मपाल आर्य जी एवं संयोजक समिति के सदस्य मा. रामपाल जी। (नीचे) कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते सभा अधिकारी एवं उपस्थित कार्यकर्तागण।

– शेष पृष्ठ 7 पर

योगगुरु स्वामी रामदेव जी से महासम्मेलन हेतु चर्चा : आशीर्वाद देने पधारेंगे योग गुरु

पतंजलि योगपीठ में सार्वदेशिक सभा के प्रधान श्री सुरेशचन्द्र आर्य व मन्त्री श्री प्रकाश आर्य ने दिया आमन्त्रण

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली – 2018 की तैयारियों के चलते प्रख्यात सन्त स्वामी रामदेवजी से सार्वदेशिक सभा के सदस्यों ने उनके पतंजलि संस्थान में जाकर भेंट की। इस अवसर पर आर्य समाज की गतिविधियों की व प्रचार-प्रसार की चर्चा हुई। स्वामीजी से भेंट का मुख्य प्रयोजन माह अक्टूबर में होने वाले अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन में उन्हें आमन्त्रित करना था। इस अवसर पर संन्यास आश्रम में प्रवेश हुए संन्यासी एवं साध्वी और ब्रह्मचारीगण से भेंट हुई। सभी की ओर से उन्हें भी आर्य समाज व अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन की जानकारी दी गई। प्रसन्नता की बात यह है कि स्वामीजी ने इन सभी संन्यासी एवं साध्वी और ब्रह्मचारीगण को जिनकी संख्या लगभग 400 थी, के साथ कार्यक्रम में उपस्थित रहेगें, ऐसा आश्वासन दिया। लगभग 4 घण्टे की भेंट अनेक सामाजिक एवं राष्ट्रीय मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। स्वामीजी से भेंट करने सार्वदेशिक सभा के प्रधान सुरेशचन्द्र आर्य, सभामन्त्री श्री प्रकाश आर्य, उपमन्त्री श्री विनय आर्य, उ. पश्चिम दिल्ली वेद प्रचार मंडल के प्रधान श्री सुरेन्द्र आर्य, महामन्त्री श्री जोगेन्द्र खट्टर एवं भारत स्वाभिमान दिल्ली के अधिकारी श्री राजकुमार आर्य प्रमुख थे।

वेद-स्वाध्याय

हे जुलाहे! तू बुन

तन्तु तन्वन्रजसो भानुमन्विहि ज्योतिष्मतः पथो रक्ष धिया कृतान्।
अनुल्बणं वयत जोगुवामपो मनुर्भव जनया दैव्यं जनम्।। -ऋ. 10/53/6
ऋषिः **देवाः**।। देवता - **अग्निः सौचीकः**।। छन्दः **निचृज्जगती**।।

शब्दार्थ- रजसः = अपने ज्योति के, ज्ञान-प्रकाश के **तन्तुम्**= ताने को **तन्वन्** = तनता हुआ तू **भानुम्** = द्युलोक तक **अनु इहि** = अनुसरण करता जा, चला जा। इस तरह **धिया कृतान्** = (कलाविदों या ज्ञानियों के) बुद्धि-कौशल से बनाये गये **ज्योतिष्मतः पथः** = ज्ञान-प्रकाशमय तरीकों की, प्रणालियों की, मार्गो की **रक्ष** = तू रक्षा कर। इस ताने में **जोगुवाम्** = भक्तों के अपः = व्यापक कर्मो को **अनुल्बणम्** = एकसार **वयत** = बुन, **मनुःभव** = मननशील हो और **दैव्यं जमन्** = दिव्य जन (के जीवन) को, इस 'दैव्यजन' रूपी वस्त्र को **जनय** = पैदा कर, बना।

विनय- हे जुलाहे! तू बुन, तू दिव्य खद्दर बुन।

हे जीव! तू हमेशा कुछ-न-कुछ बुनता रहता है। अपने भाग्य को, अपने भविष्य को, अपने जीवन को बुनता रहता है। जीवन इसके सिवाय और क्या है कि मनुष्य अपने ज्ञान (समझ) के अनुसार कुछ दूर तक देखता है और फिर उसके अनुसार कर्म करता जाता है। इस तरह जीव अपने ज्ञान के ताने में कर्म का बाना डालता हुआ निरन्तर अपने जीवन-पट को बनाया करता है, किन्तु हे जीव-जुलाहे! अब तू अपना यह मामूली रद्दी कपड़ा बुनना छोड़कर दिव्य-जीवन का खद्दर बुन, 'दैव्य-जन' को उत्पन्न कर। इसके लिए तुझे बड़ी सुन्दर और बड़ी लम्बी तानी करनी पड़ेगी। तू अपने रजः के, ज्योति के, ज्ञान-प्रकाश के चमकीले ताने को तनता हुआ भानु तक, द्युलोक तक चला जा। द्युलोक तक विस्तृत प्रकाशमान ताना तन। दिव्य पट के लिए यह आवश्यक है। ऐसे दिव्य वस्त्र बनाने की लुप्त हुई कला की रक्षा इसी प्रकार हो सकती है, अतः इस उद्योग में पड़कर तू उन ज्ञान-प्रकाशमय प्रणालियों की रक्षा कर जिन्हें कि कलाविदों ने अपनी कुशल बुद्धि द्वारा बड़े यत्न से आविष्कृत किया था। दिव्य-जीवन बनाने में पड़कर उन देवयानादि प्रकाशमान मार्गो की रक्षा कर जिन्हें कि इनके ज्ञानी यात्रियों ने चलाया था। अस्तु, ज्ञान के इस दिव्य ताने को तू फिर भक्तों के कर्म द्वारा बुन, इस ताने में भक्ति-रस से भिगोया हुआ अपने व्यापक कर्म का बाना डालता जा और ध्यान रख, तेरी बुनावट एकसार हो, कभी ऊंची-नीची या गठीली न हो। सावधान रहते हुए सदा उस ज्ञान के अनुसार ही तेरा ठीक-ठीक कर्म चले और वह कर्म सदा प्रभु-भक्ति से ही प्रेरित हो। इस सावधानी के लिए तुझे पूरा मननशील होना पड़ेगा, सतत विचार-तत्पर होना होगा। तभी यह दिव्य जीवन का सुन्दर पट तैयार हो सकेगा, अतः हे जुलाहे! तू अब दिव्य जीवन बुनने के लिए उठ और इस लुप्त हो रही अमूल्य दिव्य कला की रक्षा कर।

-: साभार :- वैदिक विनय

वैदिक विनय : यह पुस्तक वैदिक प्रकाशन, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली में उपलब्ध है। अपने ज्ञानवर्धन के लिए आज ही अपना आदेश मो. नं. 9540040339 पर प्रेषित करें।

सम्पादकीय **आर्यसमाज द्वारा घोषित 'अंधविश्वास निरोधक वर्ष-2018'**

अंध विश्वास को कब मिलेगा मोक्ष?

....दरअसल मोक्ष कोई वस्तु नहीं है जिसे पाया जा सके। वह पाने का कोई विषय नहीं है। जब मन में कोई इच्छा न हो और तो और मोक्ष की भी नहीं तब जो होता है, उसका नाम मोक्ष है। मोक्ष कुंठाओं का त्याग है वैदिक धर्म में मोक्ष को योग से समाधि की ओर कहा गया है।.....

दिल्ली के बुराड़ी में एक ही परिवार के सभी 11 सदस्यों की मौत पर से धीरे-धीरे अभी जितना पर्दा उठ रहा है उतने ही सवाल खड़े हो रहे हैं। कहा जा रहा है इस परिवार की किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी और ये हत्या के बजाय आत्महत्या का मामला है। घर के लोग धार्मिक प्रवृत्ति के थे। जिस तरीके से उन्होंने खुदकुशी की है। उस पर धार्मिक रीतियों के बारे में लिखा है। मोक्ष के बारे में लिखा है कि आंखें बंद करेंगे, हाथ बांध लेंगे तो मोक्ष की प्राप्ति होगी। ये वे बाते हैं जो इशारा कर रही हैं कि परिवार ने अंधविश्वास में फंसकर यह खौफनाक कदम उठाया।

दरअसल मोक्ष कोई वस्तु नहीं है, जिसे पाया जा सके। वह पाने का कोई विषय नहीं है। जब मन में कोई इच्छा न हो और तो और मोक्ष की भी नहीं, तब जो होता है, उसका नाम मोक्ष है। मोक्ष कुंठाओं का त्याग है वैदिक धर्म में मोक्ष को योग से समाधि की ओर कहा गया है। यानि कि मोक्ष एक ऐसी दशा है जिसे मनोदशा नहीं कह सकते।

लोगों को यह समझाने के बजाय उल्टा इस मामले में मीडिया के सभी प्लेटफार्मो से इस बात को बार-बार दोहराया जा रहा है कि मृतक परिवार धार्मिक था। इसी कारण उसने मौत को गले लगाया। जबकि सही मायने में देखें तो यह कथित बौद्धिक लोगों की अज्ञानता है, क्योंकि कहीं से भी यह मामला धर्मिकता से जुड़ा नहीं है ये पागलपन, अंधविश्वास और पाखंड से जुड़ा मामला है। जहाँ मीडिया को इस परिवार के पाखंडता से जुड़े होने के सवाल उजागर करने थे। वहां इसमें धर्मिकता पर निशाना साधा जा रहा है ताकि धार्मिकता की हत्या कर, पाखंड को और अधिक बल दिया जा सके। भला समाज में परिवार धार्मिक नहीं तो क्या राक्षसी प्रवृत्ति के होने चाहिए?

कहा जा रहा है बुराड़ी में मृतकों के परिवार से पुलिस को जो रजिस्टर मिले हैं, उनमें अलौकिक शक्तियों, मोक्ष के लिए मौत ही एक द्वार व आत्मा का अध्यात्म से रिश्ता जैसी अजीबो-गरीब बातें लिखी बताई जा रही हैं।

असल में आज हर किसी को सुखसमृद्धि चाहिए और अंधविश्वास बेहद सरल साधनों से सुखसमृद्धि की पूरी गारंटी देता है। यह सब पाने के लिए धर्मगुरु, कथावाचक, पंडे-पुरोहित भी खुशहाल जीवन के टोटके बताते हैं। इसके अलावा धर्म के नाम पर हर मुराद पूरी करने के नुस्खे बताने वाली, कथा-किस्सों से भरपूर मसाले वाली पाखंड की पुस्तकों से भी बाजार भरे पड़े हैं। जो सुख-सौभाग्य, संपत्ति, मोक्ष, सुरक्षा आदि प्रदान करने की पूरी गारंटी देती हैं। शायद इसी गारंटी से प्रेरित हो कर इस परिवार ने मोक्ष की कल्पना की हो?

क्योंकि इन पुस्तकों के अध्यायों में देवताओं द्वारा अनूठे कारनामे, कहीं देवी द्वारा असुरों का संहार या देवियों की अर्चना की गई है। जब देवी एक मनुष्य की तरह ही लड़ती है तो झांसी की रानी लक्ष्मीबाई ने भी तो शत्रुओं से युद्ध किया था और जिसका प्रमाण भी पाया जाता है लेकिन लक्ष्मीबाई के नाम का कोई व्रत, कोई पूजा नहीं बनी। इसी तरह देश व धर्म के लिए अनेकों क्रांतिकारियों ने बलिदान दिया उनके नाम पर कोई व्रत नहीं है क्यों? क्योंकि ये लोग काल्पनिक देवी-देवता की भीड़ खड़ी किये हुए हैं इसलिए इन्हें असली जीती जागती देवियों से भय है। उनका तो रेप कर रहे हैं। हाल में पकड़े गये शनिधाम वाले बाबा दाती महाराज पीड़िता के जिस्म के हर हिस्से को नोंचता था। वह उसे चरण सेवा कहा करता था। पीड़िता मीडिया के सामने बता रही थी कि बाबा कहता था! तुम्हें मोक्ष प्राप्त होगा, यह भी सेवा ही है, तुम बाबा की हो और बाबा तुम्हारे, इससे क्या यही समझे कि अब ये लोग रेप से भी मोक्ष की गारंटी दे रहे हैं?

आज अनेकों कथित बाबाओं, पंडितों ने लोगों के मन में भय पैदा कर रखा है। इसके चलते ही ऐसे अंधविश्वासों का बाजार फलता-फूलता है और पाखंड की पुस्तकें बिकती हैं। नहीं तो, इन्हें पूछने वाला है ही कौन? इसमें सभी धर्मो, मतों और पन्थों के कथित धर्म गुरु शामिल हैं। यह सब अपने आपको ईश्वर के दूत समझते हैं। अंधविश्वास पाखंड फैलाने से इन धर्म गुरुओं की रोजी-रोटी चलती रहती है। जब आम व्यक्ति थोड़ा भी परेशान होता है वह इन गुरुजी की शरण में चला जाता है। बस यही से इनकी बल्ले-बल्ले हो जाती है और देखिये इनके पास दुःखी और परेशान लोग ही जाते हैं जिनसे यह लोग अपने स्वार्थ सिद्धि के लिए उपाय के नाम पर धन अर्जित करते रहते हैं। भला ये क्यों किसी की सुखसमृद्धि की कामना करेंगे? ये तो चाहते हैं लोग परेशान रहें, दुखी रहें, पीड़ित रहे हाँ अगर भूल से भी कोई सुखी मनुष्य इनके करीब चला भी जाये तो ये लोग उसके भविष्य में अमंगल होने की झूठी कहानी गढ़कर उसे भी दुखी कर देते हैं।

आम लोगों को डराने के लिए इनके पास कुछ प्रसिद्ध वाक्य होते है "आप पर शनि की छाया है, चुडेलों की नजर है, भूतों ने आपको जकड रखा है। योगनियों और शमशान के प्रेत आपके काम में प्रगति नहीं करने दे रहे, देवताओं का प्रकोप है। देवियों का गुस्सा है और लोग इन धर्म के ठेकेदारों की मूर्खतापूर्ण बातों में आकर पाखंड में फंसकर पूजा-पाठ करवा कर अपनी पूरी जिंदगी तबाह कर देते हैं। शनि के लिए शनि दान, मंगल के लिए मगल दान, काली के लिए बलि, शमशान के प्रेतों के लिए मुर्गा और न जाने क्या क्या। हर रोज भारत में लाखों मासूम जानवर इन्ही धर्म के ठेकदारों के पेट की भूख शांत करने के लिए भगवानों के नाम पर काटे जाते हैं।

शायद इसी छल से इन्होने धर्म के नाम अपने साम्राज्य खड़े कर लिए हैं। लोगों की भूख, रोजगार, दुःख दर्द की चिंता, किसी के स्वास्थ और किसी नागरिक की शिक्षा की फिक्र इन्हें कतई नहीं है। बस इनका साम्राज्य बड़ा हो देश में चिन्तनशील, विवेकी और धर्म की सच्ची व्याख्या करने वाले लोग समाप्त हों, बस हर समय ये लोग यही कामना करते हैं ताकि इनके बहकावे में लोग आते रहें और बुराड़ी की तरह के हादसे होते रहें। आज जबकि लोगों को इन अंधविश्वासों से बहार आने की आवश्यकता है जब तक हम धर्म के नाम पर भयभीत रहेंगे तब तक धर्म के ठेकेदार लोगों को लुटते रहेंगे। यह एक अंधविश्वास का कुआं ही तो हुआ जिस में गिराने के लिए सीधे भोले लोगों को ही निशाना बनायाजा रहा है। खुद भूखे-प्यासे रह कर देवी-देवताओं को प्रसन्न करने से क्या होगा? आहार त्याग कर, अपने परिवार की बलि दे कर भला मोक्ष मिलेगा क्या? इतनी बात तो स्वयं समझने की थी पर दुःखद काल है कि यह इतनी सी बात भी आज लोगों को समझानी पड़ रही है। - ***सम्पादकीय***

क्या नशे से जीत पाएगा पंजाब?

....कभी देश का ब्रेड बास्केट कहा जाने वाले पंजाब में आज लहराती फसलों के बीच नशे की लत आम बात हो चुकी है। राज्य के युवा अफीम, हेरोइन और कोकीन जैसे नशे का शिकार हो रहे हैं। जो मुनाफा कमाने का आसान रास्ता बन रहा है। सिख गुरुओं की अध्यात्मिक भूमि, गुरु तेगबहादुर जी की वीर भूमि आज नशे के सौदागरों का अड्डा बनती जा रही है। पिछले कुछ समय पहले केंद्र सरकार के सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण विभाग ने पंजाब के दस जिलों में सर्वे कराया था, जिसके मुताबिक पंजाब में ड्रग्स और दवाइयों की लत के चपेट में करीब 2.3 लाख लोग थे।....

करीब दो साल पहले पंजाब में ड्रग्स को लेकर बनी फिल्म 'उड़ता पंजाब' को लेकर विवाद खड़ा हुआ था। असल में नशे से जुड़े जिस मुद्दे को इस फिल्म ने उठाना चाहा था विवाद से वह बैकग्राउंड में चला गया था। अब दोबारा पिछले एक महीने के दौरान करीब दो दर्जन युवाओं की मौत से दहले पंजाब में इस मुद्दे पर सियासी संग्राम छिड़ गया है। विपक्ष की चौतरफा घेराबंदी के बीच पंजाब कैबिनेट ने ड्रग तस्करों को फांसी की सजा का प्रावधान वाला एक प्रस्ताव मंजूरी के लिए केंद्र को भेजने का फैसला ले लिया है। राजनीति से जुड़े लोग इस फैसले को राजनीति की नजर से देखकर कह रहे हैं कि पंजाब सरकार ने एक तरह से अपने गले का सांप केंद्र के गले में डाल दिया है। अब केंद्र सरकार के रुख पर सबकी नजर रहेगी। यदि केन्द्र इस प्रस्ताव को मंजूरी दे देता है तो प्रदेश में नशे का धंधा करने वालों पर कड़ी नकेल कसी जा सकती है।

असल में पंजाब में नशे की समस्या यूं तो बरसों पुरानी है और इस मुद्दे पर सियासत अक्सर उबाल भी खाती रही है लेकिन, इस बार यह मुद्दा इसलिए भी ज्यादा गर्माया क्योंकि पंजाब में पिछले एक महीने के दौरान करीब 30 लोगों की मौत इस नशे की वजह से हो गई। राज्य में नशे की जड़ों का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि अंतर्राष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी तक इसकी चपेट में हैं। बताया जा रहा है कि गुरुदासपुर के काहनूवान इलाके में यह खिलाड़ी शमशान घाट पर युवाओं को नशा बेचते हुए पकड़ा गया था।

बीते कुछ दशकों में देश और देश के बाहर पंजाब में किसी महामारी की भांति पसरे नशे की इस लत के बारे में बहुत कुछ लिखा और कहा गया है। कभी देश का ब्रेड बास्केट कहा जाने वाले पंजाब में आज लहराती फसलों के बीच नशे की लत आम बात हो चुकी है। राज्य के युवा अफीम, हेरोइन और कोकीन जैसे नशे का शिकार हो रहे हैं। जो मुनाफा कमाने का आसान रास्ता बन रहा है। सिख गुरुओं की अध्यात्मिक भूमि, गुरु तेगबहादुर जी की वीर भूमि आज नशे के सौदागरों का अड्डा बनती जा रही है। पिछले कुछ समय पहले केंद्र सरकार के सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण विभाग ने पंजाब के दस जिलों में सर्वे कराया था, जिसके मुताबिक पंजाब में ड्रग्स और दवाइयों की लत के चपेट में करीब 2.3 लाख लोग थे। जबकि करीब 8.6 लाख लोगों के बारे में अनुमान था कि उन्हें लत तो नहीं है, लेकिन वे नशीले पदार्थों का इस्तेमाल करते हैं। सर्वे से जुड़े लोगों की चिंता यही थी कि इन्हीं में से ज्यादातर लोग बाद में नशे के आदी हो जायेंगे। जो आज जायज होती दिख भी रही है। इस रिपोर्ट के मुताबिक नशा करने वालों में 99 फीसदी मर्द, 89 फीसदी पढ़े लिखे, 54 फीसदी विवाहित लोग हैं। हेरोइन सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाला मादक पदार्थ है। हेरोइन इस्तेमाल करने वाला एक शख्स इस पर रोजाना करीब 1400 रुपए तक खर्च कर डालता है।

हालाँकि अलग-अलग सर्वे और रिपोर्टें पंजाब समेत देश भर में नशे की समस्या को लेकर गंभीर नतीजों की बात करती रही हैं। लेकिन नतीजा हर बार दलगत राजनीति का शिकार होकर रह गया। अकाली सरकार के समय कांग्रेस आरोप लगाती रही कि सरकार की मिली भगत के कारण राज्य का युवा बर्बाद हो रहा है जिसमें एक बार स्वयं राहुल गाँधी ने भी कहा था कि पंजाब में 70 फीसदी लोग नशे के शिकार हैं तो जिस पर काफी बयानबाजी भी हुई थी कि आँकड़े बढ़ा-चढ़ा कर बताए जा रहे हैं। आज राज्य में कांग्रेस की ही सरकार है अब ऐसे ही आरोप वर्तमान सरकार पर अकालियों द्वारा लगाये जा रहे हैं। मसलन कोई भी पार्टी इस समस्या को दलगत राजनीति से बाहर ले जाकर सुलझाती नहीं दिख रही है।

दरअसल पंजाब में पाकिस्तान सीमा से लगे इलाकों में यह समस्या सबसे ज्यादा है, जहाँ से अफगानिस्तान से पाकिस्तान के रास्ते होते हुए भारत में हेरोइन की तस्करी की जाती है। हालाँकि बीएसएफ के हाथों होरोइन की तस्करी पकड़ने के मामले भी सामने आते रहते हैं। किन्तु ये सिलसिला तो कई वर्षो से जारी है। बताया जा रहा है कि कई बार माफिया और उनके गुर्गे तस्करी करते हुए पकड़े भी जाते हैं, लेकिन मिलीभगत के चलते कार्रवाई नहीं की जाती है जिसके चलते नशे के सौदागर बेखौफ नशे के इस धंधे को चला रहे हैं और लोगों को बर्बादी की ओर धकेल रहे हैं।

हाल फिलहाल हुई मौतों से भले ही राजनीतिक पार्टियाँ अपने नफे नुकसान को देखते हुए बवाल मचा रही हों लेकिन नशे की दलदल में डूबे पंजाब की जमीनी हकीकत यह भी है कि नशे के कारण बर्बाद हुए अमृतसर जिले के गांव 'मकबूलपुरा' को विधवाओं का गांव 'विलेज ऑफ विडोज' कहा जाने लगा है और उसकी वजह यह है कि यहां के अधिकतर मर्दो की नशे के चलते मौत हो चुकी है। इसके बावजूद भी शराब आदि नशे के पदार्थो को मर्दानगी से जोड़कर बढ़ा-चढ़ा कर पंजाबी गानों में भी पेश किया जा रहा है, उससे ऐसी छवि बनती है कि नशा करना बड़े शान की बात हो। जैसे चार बोतल वोडका, काम मेरा रोज का, मैं नशे में टल्ली हो गया.... आदि-आदि गाने परोसे जा रहे हैं।

आज बड़े किसान और नेता अपने फायदे के लिए नशा बांट रहे हैं। पंजाब के तमाम डेरे और बाबा नशा छुड़ाने के नाम पर अपनी दुकानदारी चमका रहे हैं। किसान ही नहीं, नशे की पकड़ में अब कॉलेज के छात्र, रिक्शा वालों से लेकर, दुकानदार भी शामिल हैं। ऐसे हालात में एक सवाल पंजाब की मिट्टी से जरुर उपजना चाहिए कि भारतीय सेना में शामिल होकर दुश्मन के छक्के छुड़ाने वाले पंजाब के गबरू जवान आज नशे के खिलाफ इस लड़ाई में कमजोर क्यों पड़ते जा रहे है? साथ ही सवाल ये भी है कि जिस पंजाब को मुस्लिम आक्रान्ता नहीं हरा पाए, जिस पंजाब ने अंग्रेजों को नाकों चने चबवा दिए, जिस पंजाब ने खालिस्तान समर्थकों से हार नहीं मानी! क्या आज वह पंजाब इस नशे से हार जायेगा?

- राजीव चौधरी

क्रान्तिकारियों की कथा

रात का मेहमान

गतांक से आगे -

'आप सबके आशीर्वाद से प्रथम तो सदा आई हूँ। इस बार भी आ सकती हूँ।''अच्छा, तो ये लो अपने प्रथम आने का इनाम।' कहकर आज़ाद ने अटैची कल्पना के हाथ में थमा दी और वृद्धा को प्रणाम करके तुरन्त वहाँ से चल दिए। कल्पना ने अटैची खोली। उसमें भरे थे कई सौ रुपये के नोट; शायद कल्पना के विवाह के लिए।

रुपये लेकर वृद्धा दरवाज़े की ओर झपटी। आज़ाद जा चुके थे। बारिश ने और भी भयंकर रूप धारण कर लिया था। हवा साँय-साँय चल रही थी- अंधकार में ताकती वृद्धा न जाने क्या सोच रही थी।

अमर शहीद राजगुरु

ढीले-ढीले ख़ाकी नेकर के ऊपर आधी आस्तीन की सफेद क़मीज़। सिर पर छोटे-छोटे बालों को क़रीने से ढकती किश्तीनुमा काली टोपी। साधारण-सा डीलडौल। सांवला रंग, आकर्षणरहित लम्बा चेहरा और पिचके गालों पर उभरी हड्डियां। थे तो महज बीस साल के, लेकिन बचपन में ही पिता का साया सिर से उठ जाने के कारण ज़माने की गर्दिश ने उनमें प्रौढ़ता, गम्भीरता और अनासक्ति-सी ला दी थी। लगातार घंटों सोने की ख़ास आदत थी। बोलते बहुत कम थे। कुल मिलाकर यही तो व्यक्तित्व था अमर शहीद राजगुरु का, जिन्होंने भारतीय स्वतंत्रता-संग्राम में मराठों के गौरवपूर्ण इतिहास को चिरस्मरणीय बनाया।

उस ज़माने में राजगुरु बनारस के एक म्यूनिसिपल स्कूल में ड्रिल मास्टर थे। अखाड़े में कुश्ती लड़ने और फरी-गदका चलाने का उन्हें बेहद शौक था। भगतसिंह से खूब पटती थी। अक्सर कहा भी करते थे कि तेरा साथ अन्त समय तक नहीं छोड़ने वाला और उन्होंने अपने वचन की पूरी-पूरी रक्षा भी की।

एक बार चन्द्रशेखर आज़ाद ने भगत सिंह, राजगुरु और शिव वर्मा को गोरखपुर भेजा, सरकारी खज़ाने की टोह लेने के लिए। तीन-चार दिन का काम था। पुलिस की नज़र से बचने के लिए होटल या धर्मशाला में ठहरने की सख्त मुमानियत थी। बहुत खोजने पर भी जब कोई सस्ता मकान न मिला, तो बिजलीघर के पास एक छोटी-सी दुकान ही किराये पर ले ली।

- क्रमश:

- धर्मेन्द्र गौड़ : साभार :
क्रान्तिकारी आन्दोलन के अधखुले पन्ने

क्रान्तिकारी आन्दोलन के अधखुले पन्ने : वैदिक प्रकाशन, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली में उपलब्ध है। पुस्तक प्राप्त करने के लिए मो. नं. 9540040339 पर सम्पर्क करें।

ओ३म्
भारत में फैले सम्प्रदायों की निष्पक्ष व तार्किक समीक्षा के लिए उत्तम कागज़, मनमोहक जिल्द एवं सुन्दर आकर्षक मुद्रण (द्वितीय संस्करण से मिलान कर शुद्ध प्रामाणिक संस्करण)
सत्य के प्रचारार्थ
सत्यार्थ प्रकाश
सत्य के प्रचारार्थ

● प्रचार संस्करण (अजिल्द) 23×36÷16	मुद्रित मूल्य 50 रु.	प्रचारार्थ 30 रु.	प्रचारार्थ मूल्य पर कोई कमीशन नहीं
● विशेष संस्करण (सजिल्द) 23×36÷16	मुद्रित मूल्य 80 रु.	प्रचारार्थ 50 रु.	
● स्थूलाक्षर सजिल्द 20×30÷8	मुद्रित मूल्य 150 रु.		प्रत्येक प्रति पर 20% कमीशन

10 या 10 से अधिक प्रतियाँ लेने पर विशेष अतिरिक्त कमीशन
कृपया, एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें और महर्षि दयानन्द की अनुपम कृति सत्यार्थ प्रकाश के प्रचार प्रसार में सहभागी बनें
आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट
427, मन्दिर वाली गली, नया बांस, दिल्ली-6
Ph. :011-43781191, 09650622778
E-mail : aspt.india@gmail.com

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन
25, 26, 27, 28 अक्टूबर 2018

सम्मेलन स्थल :- स्वर्ण जयंती पार्क, रोहिणी, सैक्टर-10, दिल्ली-85
विश्व शान्ति यज्ञ, योग व तपोनिष्ठ संन्यासियों, वैदिक विद्वानों द्वारा सत्संग
तथा प्रवचन का लाभ उठाने हेतु लाखों की संख्या में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनायें।
सम्मेलन कार्यालय : दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली-1 दूरभाष : 9540029044
E-mail : aryasabha@yahoo.com, Website : www.aryamahasammelan.org, www.thearyasamaj.org
YouTube : thearyasamaj 9540045898

भारत की आर्थिक राजधानी मुम्बई में तैयारी बैठक सम्पन्न

मुम्बई सभा के प्रधान एवं सम्मेलन परामर्शदाता श्री मिठाईलाल सिंह ने की बैठक की अध्यक्षता

सार्वदेशिक सभा के प्रधान श्री सुरेशचन्द्र आर्य एवं मन्त्री श्री प्रकाश आर्य ने किया दिल्ली पहुंचने का आह्वान

सम्मेलन को सफल बनाने के लिए तन-मन-धन से हर सम्भव सहयोग देंगे - अरुण अबरोल

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली की पूर्व तैयारी के चलते आर्य प्रतिनिधि सभा मुंबई की बैठक आर्य समाज सांताक्रुज में पूरे जोश के साथ सम्पन्न हुई, इस अवसर पर आर्य महानुभाव, समाज के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के बीच मुम्बई सभा प्रधान श्री मिठाईलाल जी ने बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि "मुम्बई में आर्य समाज की स्थापना हुई थी, आर्यो के इस विशाल महाकुम्भ में मुम्बई सभा पूरे उत्साह के साथ भारी संख्या में आर्यजनों की उपस्थिति दर्ज करायेगी। इस अवसर पर सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा प्रधान श्री सुरेशचन्द्र आर्य, (मंत्री) प्रकाश आर्य, दिल्ली सभा (महामंत्री) श्री विनय आर्य, मुंबई सभा प्रधान (महासम्मेलन परामर्शदाता) श्री मिठाईलाल जी, (महामंत्री) श्री अरुण अबरोल और सभी पदाधिकारीगणों ने पूरे उत्साह के साथ महासम्मेलन में आने का आह्वान किया।

राजधानी दिल्ली में महासम्मेलन की तैयारियों हेतु आर्यसमाज की क्षेत्रीय बैठकों का आयोजन

आर्यसमाज बी ब्लॉक जनकपुरी की बैठक

आर्यसमाज मानसरोवर गार्डन में कार्यकर्ताओं की बैठक

आर्यसमाज रानी बाग में कार्यकर्ताओं की बैठक

आर्यसमाज प्रशान्त विहार में कार्यकर्ताओं की बैठक

आर्यसमाज रोहिणी सैक्टर-7 में कार्यकर्ताओं की बैठक

प्रचार एवं तैयारियों के लिए प्रान्तीय स्तर पर आयोजित आगामी बैठकें

समस्त आर्यसमाजों, गुरुकुलों, आर्य शिक्षण संस्थानों, आर्य वीर दल, वीरांगना दल एवं सहयोगी संस्थाओं के अधिकारी अधिकाधिक संख्या में भाग लें

आन्ध्र प्रदेश एवं तेलंगाना के आर्य कार्यकर्ताओं की बैठक

21 जुलाई, 2018 प्रातः 10 बजे
आर्यसमाज गुण्टूर , जिला-गुण्टूर (आ.प्र.)

22 जुलाई, 2018 प्रातः 10 बजे
आर्य उन्नत पाठशाला, चादरघाट, हैदराबाद (तेलंगाना)

निवेदक :- डॉ. धर्मतेजा, संयोजक, महासम्मेलन अभियान समिति आ.प्र. व तेलंगाना

दिल्ली चलो

ओ३म्

वैदिक विचारधारा को विश्वभर में गुंजायमान करने के संकल्प को साथ लेकर

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा एवं
दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के तत्त्वावधान में

भारत की राजधानी दिल्ली में विश्वभर के आर्यों का महाकुंभ

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन

25, 26, 27, 28 अक्टूबर, 2018

तदनुसार कार्तिक कृ० १, २, ३, ४ विक्रमी सम्वत् २०७५

विश्व शान्ति यज्ञ, योग तथा सामाजिक व राष्ट्रीय विषयों पर तपोनिष्ठ संन्यासियों एवं वैदिक विद्वानों के प्रेरणास्पद उद्बोधन एवं प्रवचन

लाखों की संख्या में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनायें।

-: सम्मेलन स्थल :-

स्वर्ण जयंती पार्क, रोहिणी, सैक्टर-10, दिल्ली

निवेदक

सुरेश चन्द्र आर्य	महाशय धर्मपाल	प्रकाश आर्य	धर्मपाल आर्य
प्रधान	अध्यक्ष	मंत्री	सम्मेलन संयोजक
सा. आर्य प्रतिनिधि सभा	स्वागत समिति	सा. आर्य प्रतिनिधि सभा	प्रधान, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा
+91 9824072509	+91 11 25937987	+91 9826655117	+91 9810061763

उप प्रधान : डॉ. राधकृष्ण वर्मा, आ.विजय पाल, सोमदत्त महाजन।
उपमन्त्री : वाचोनिधि आर्य, देवराज आर्य, प्रदीप आर्य, दयाराम बसैये।
कोषाध्यक्ष : श्री अनिल तनेजा ।

मिठाईलाल सिंह
परामर्शदाता
अ.आर्य महासम्मेलन

उप प्रधान : शिव कुमार मदान, ओम प्रकाश आर्य, श्रीमती मृदुला चौहान।
मन्त्री : अरुण प्रकाश वर्मा, सुखबीर सिंह आर्य, सुरेन्द्र आर्य, शिवशंकर गुप्ता, वीरेन्द्र सरदाना, सुरेशचन्द्र गुप्ता। कोषाध्यक्ष : श्री विद्यामित्र ठुकराल

आर्य केन्द्रीय सभा दिल्ली राज्य : संरक्षक : रामनाथ सहगल, मदन मोहन सलूजा, ठा. विक्रम सिंह, ओम प्रकाश घई, सतपाल भरारा,
उप प्रधान : सुरेन्द्र कुमार रैली, विक्रम नरुला, उषाकिरण आर्या, राजेन्द्र दुर्गा, कीर्ति शर्मा, अजय सहगल।
महामन्त्री : सतीश चड्डा, उपमन्त्री : योगेश आर्य, हरिओम बंसल, एस.पी. सिंह, राजीव चौधरी। व्यवस्था सचिव : सुरिन्द्र चौधरी

संयोजक एवं व्यवस्था समिति के माननीय सदस्यगण

मा. रामपाल आर्य, प्रधान; उमेद शर्मा, मन्त्री आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा	सुदर्शन शर्मा, प्रधान; प्रेम भारद्वाज, मन्त्री आर्य प्रतिनिधि सभा पंजाब	मिठाईलाल सिंह, प्रधान; अरुण अबरोल, मन्त्री आर्य प्रतिनिधि सभा मुम्बई	स्वामी धर्मानन्द, प्रधान; वीरेन्द्र पाण्डा, मन्त्री आर्य प्रतिनिधि सभा उड़ीसा
दीनदयाल गुप्त, प्रधान; जगदीश प्र. केडिया, मन्त्री आर्य प्रतिनिधि सभा पश्चिम बंगाल	सुरेशचन्द्र आर्य, प्रधान; हंसमुख परमार, मन्त्री आर्य प्रतिनिधि सभा गुजरात	आचार्य अंशुदेव, प्रधान; दीनानाथ वर्मा, मन्त्री आर्य प्रतिनिधि सभा छत्तीसगढ़	राकेश चौहान, प्रधान; रविकान्त, मन्त्री आर्य प्रतिनिधि सभा जम्मू-कश्मीर
डॉ. ब्रह्ममुनि, प्रधान; माधवराव देशपाण्डे, मन्त्री आर्य प्रतिनिधि सभा महाराष्ट्र	इन्द्र प्रकाश गांधी, प्रधान; प्रकाश आर्य, मन्त्री आर्य प्रतिनिधि सभा मध्य भारत	डॉ. धीरज आर्य, का. प्रधान; स्वामी धर्मेश्वरानन्द, मन्त्री आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तर प्रदेश	विजय सिंह भाटी, प्रधान; सुधीर शर्मा, मन्त्री आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान
प्रबोध चन्द्र सूद, प्रधान; करमवीर सिंह, मन्त्री आर्य प्रतिनिधि सभा हिमाचल प्रदेश	भारतभूषण त्रिपाठी, प्रधान; चन्द्रशेखर प्रसाद, मन्त्री आर्य प्रतिनिधि सभा झारखण्ड	सत्यवीर शास्त्री, प्रधान; अशोक यादव, मन्त्री आर्य प्रतिनिधि सभा म.प्र.व विदर्भ	रमाकान्त सिंघल, प्रधान; लोकेश आर्य, मन्त्री आर्य प्रतिनिधि सभा असम
सुभाष अष्टीकर, प्रधान; डॉ. वासुदेव राव, मन्त्री आर्य प्रतिनिधि सभा कर्नाटक	संजीव चौरसिया, प्रधान; व्यासनन्दन शास्त्री, मन्त्री आर्य प्रतिनिधि सभा बिहार	डॉ. विनय विद्यालंकार, प्रधान; नरेन्द्रलाल आर्य, मन्त्री आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तराखण्ड	धर्मपाल गुप्ता, उप प्रधान; जोगेन्द्र खट्टर, महामन्त्री अ.भारतीय दयानन्द सेवाश्रम संघ

श्री देवेन्द्रपाल वर्मा, आर्य नेता, उ.प्र. — श्री विवेक शिनॉय, संयोजक, केरल अभियान समिति — डॉ. धनञ्जय जोशी, संयोजक, तमिलनाडु अभियान समिति — सुरेश आर्य, संयोजक, अन्दमान निकोबार अभियान समिति — डॉ. धर्मतेजा, संयोजक, आ.प्र. व तेलंगाना अभियान समिति

सम्मेलन कार्यालय : दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली-1 दूरभाष : 9540029044
E-mail : aryasabha@yahoo.com, Website : www.aryamahasammelan.org, www.thearyasamaj.org
YouTube : thearyasamaj 9540045898

Dear God, May We Always Be Dedicated to perform Virtuous Deeds

Veda Prarthana - II Regveda - 14/1

- Acharya Gyaneshwarya

यश्चकार न शशाक कर्त्तु शश्रे पादमऽगुंरिम्।
चकार भद्रमस्मभ्यमात्मने तपनं तु सः।।
- अर्थर्ववेद 4/18/6

Yashchakar na shashak kartum shashre padam angurim.
Chakar bhadramasmabhyam atmane tapanam tu sah.
- Atherva Veda 4:18:6

Beginning early in the childhood a mother by singing Lullabies while feeding, bathing, playing, or putting the baby to sleep, starts to teach the baby what is right and wrong, and why it is important to do what is right and good. Similarly, as the child gets older, the father while holding the child's hand, carrying him/her on his back or shoulders, or playing teaches the child what things/ deeds child should do and what not, which are right and wrong. As the child bccomes a little older and goes to school the teachers help him/her learn what truth is and what are falsehoods. Beyond this the child learns what is dharma i.e. virtuous deeds versus what is adharma i.e. following bad or non-virtuous deeds by going to a house of worship such as a temple, gurudwara. church or mosque and hearing religious discourses from priests or other learned persons.

As a person becomes a young adult, he/she by listening to and observing other persons and events in the society, nation and world as well as by reading, thinking and analyzing, he/she is able to learn and determine for him/herself what is right versus what is wrong. he/she, as a young adult has experienced thousands of occasions of the quandary of what is right vesus wrong action. He/she knows what deeds will have good results versus harmful, which will give lasting happiness and joy versus unhappiness and misery. However, many persons despite all this kowledge of what is the virtuous/right path and deeds, when in their daily life encounter obstacles such as possible or likely financial loss; a slight indignity or insult; some mental or physical stress; then instead of staying on the right path shortchange their actions. They find lame excuses for not doing the virtuous deed or following the virtuous path even though they are knowledgeable, have enough resources, are physically strong, and capable. The real reasons for failure actually are being selfish, lazy, greedy, narrow minded, callous, and/or negligent.

Human beings are social creatures. One cannot progress in life without the direct (obvious) orindirect (subtle) help of many others in the society such as family, relatives, friends, colleagues etc. Therefore, it is the responsibility of every person in return to make effort and perform various deeds for the welfare of others at the level of thought, words and actions. We can do so by spending time doing various types of charitable work, donating money, helping meeting the needs of those less fortunate than us. Such selfless benevolent deeds not only assist others but also make us happy, peaceful and change the direction of our life's journey towards better.

To Be Continue....

प्रेरक प्रसंग

अभाव से भाव असम्भव

15-12-1916 ई. के शास्त्रार्थ की चर्चा इससे पूर्व की जा चुकी है। इस शास्त्रार्थ में पं. रामचन्द्रजी देहलवी ने यह प्रश्न उठाया कि अभाव से भाव नहीं हो सकता। इस्लामवाले यही मानते हैं कि सृष्टि की उत्पत्ति से पूर्व केवल अल्लाह ही था। उसने अपनी शक्ति से अभाव से सब-कुछ उत्पन्न कर दिया।

पण्डित श्री रामचन्द्रजी ने अपने विपक्षी मौलवियों से कहा आप एक तो ऐसा दृष्टान्त दो कि जिससे यह सिद्ध हो कि अभाव से भाव सम्भव है। इसपर मौलवी मुहम्मद सईद साहब ने कहा, ''आप दूसरा खुदा दीजिए, मैं नेस्ती (अभाव) से हस्ती (भाव) की मिसाल (उदाहरण) ला दूँगा।''

पण्डित श्री रामचन्द्रजी ने अपने तार्किक मधुर स्वभाव में इसका जो उत्तर दिया वह स्मरणीय है। आपने कहा कि आपका यह कहना कि मैं दूसरा खुदा ढूँढ लाऊँ तो आप अभाव से भाव बता देंगे। इसका क्या अर्थ है? यही ना कि अभाव से भाव का होना ऐसा ही असम्भव है जैसाकि दूसरे सृष्टिकर्ता को सत्ता में लाना या बनाना। पण्डितजी ने कहा कि मैं तो पहले ही कह चुका हूँ कि जैसे दूसरा ईश्वर नहीं ला सकते, वैसे ही अभाव से भाव की उत्पत्ति नहीं हो सकती।

युवा पाठक प्रश्न से अनुमान लगाएँ कि देहलवीजी कितने बड़े तार्किक थे। विपक्षी के शब्दों से ही उसे उत्तर दे देने की उनमें क्षमता व योग्यता थी।

- प्रा. राजेन्द्र जिज्ञासु
साभार :
तड़पवाले, तड़पाती जिनकी कहानी

तड़पवाले, तड़पाती जिनकी कहानी **: पुस्तक वैदिक प्रकाशन, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली में उपलब्ध है। पुस्तक प्राप्ति हेतु आज ही अपना आदेश मो. नं. 9540040339 पर प्रेषित करें।**

आओ ! संस्कृत सीखें **संस्कृत वाक्य अभ्यासः** (60)

गतांक से आगे....

तस्य गृहे एकः पिञ्जिरः अस्ति?	उसके घर एक पिंजरा है?
सः पिञ्जिरे शुकं स्थापितवान् अस्ति?	उसने पिंजरे में तोता रखा है?
पिञ्जिरे शुकः अधिकम् उड्डयितुं न शक्नोति?	पिंजरे में तोता अधिक उड़ नहीं सकता है?
शुकः पिञ्जिरे किञ्चित् किञ्चित् उड्डयति?	तोता पिंजरे में थोड़ा थोड़ा उड़ता है?
यः कोऽपि अतिथिः गृहम् आगच्छति तदा	जो कोई भी अतिथि घर आता है तब
सः शुकः रवं करोति?	वह तोता आवाज़ करता है?
शुकः फलानि खादति?	तोता फल खाता है?
यदाकदा मरीचिकाम् अपि खादति?	कभी कभी मिर्ची भी खाता है?
पिंजरात् बहिः आगन्तुं प्रयासं करोति?	पिंजरे से बाहर आने का प्रयत्न करता है?
अहं किं कर्वाणि?	मैं क्या करूँ?
तं शुकं कथं विमुक्तं करोमि?	
उस तोते को कैसे मुक्त करूँ?	

कृपया इन सभी वाक्यों की तरह से आप भी अन्य वाक्य बनाएँ?

-आचार्य सन्दीप कुमार उपाध्याय,
मो. 9899875130

पुरोहित प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न

आर्य समाज कलकत्ता में 3 से 10 जून 2018 के बीच आर्य पुरोहित प्रशिक्षण शिविर पं. ओम प्रकाश विद्यावाचस्पति की स्मृति में आयोजित किया गया। शिविर का उद्घाटन आर्य समाज के प्रसिद्ध लेखक व कवि श्री खुशहाल चन्द्र आर्य ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। शिविर में 82 शिविरार्थियों ने भाग लिया। शिविर में श्री दीपक आर्य एवं सुरेश अग्रवाल का विशेष सहयोग रहा। ***- दीपक आर्य***

महाशय धर्मपाल सार्वदेशिक धर्म प्रचार प्रकल्प के अन्तर्गत

देश-विदेश में वैदिक धर्म एवं भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार हेतु

प्रचारकों की आवश्यकता

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली की ओर से देश-विदेश में आर्यसमाज के प्रचार-प्रसार की शृंखला आरम्भ की जा रही है, जिसके लिए सुयोग्य उम्मीदवारों के आवेदन आमन्त्रित हैं। कुल पद : **भारत हेतु 20** तथा **विदेशों हेतु 5**। इच्छुक अभ्यर्थी के लिए वांछित योग्यताएं निम्न प्रकार हैं –

1. आर्य वीर दल का प्रशिक्षण प्राप्त हो। 2. गुरुकुलीय आर्ष पाठ विधि के साथ-साथ आधुनिक विषयों की भी शिक्षा प्राप्त की हो। 3 यज्ञ, भजन, प्रवचन के साथ-साथ सभी वैदिक संस्कार सम्पन्न कराने में निपुण हो। 4. आर्यसमाज के प्रचार की हार्दिक इच्छा रखता हो। 5. युवा जिनकी आयु 18 से 30 वर्ष के मध्य हो।

चयनित अभ्यर्थी की प्रथम नियुक्ति भारत के किसी भी राज्य में तथा विशिष्ट अंग्रेजी भाषा ज्ञान और कार्य के अनुभव के उपरान्त भारत से बाहर किसी भी देश में की जाएगी। पूर्ण योग्यता होने की दृष्टि में सीधे विदेशों में नियुक्ति की जा सकती है। सम्मानित मानदेय के साथ-साथ वाहन व्यय, मोबाईल व्यय, स्वास्थ्य बीमा, आवास की सुविधा प्रदान की जाएगी।

कृण्वन्तो विश्वमार्यम् का लक्ष्य साधने की दृढ़ इच्छा रखने वाले युवा महानुभाव अपना विस्तृत आवेदन पत्र- विश्व में आर्यसमाज के प्रचार की आवश्यकता और उनकी महान इच्छा, पारिवारिक स्थिति एवं परिचय, भाषा ज्ञान, कम्प्यूटर ज्ञान, शैक्षिक योग्यता, पासपोर्ट नं. , मोबाईल एवं ईमेल के साथ तत्काल रूप से **'संयोजक, महाशय धर्मपाल सार्वदेशिक धर्म प्रचार समिति'** के नाम – **'15 हनुमान रोड, नई दिल्ली-110001'** के पते पर भेजें अथवा aryasabha@yahoo.com पर ईमेल करें।

- संयोजक, महाशय धर्मपाल सार्वदेशिक धर्म प्रचार समिति

प्रवेश प्रारम्भ

गुरुकुल संस्कृत महाविद्यालय शुक्रताल, मुजफ्फरनगर उ.प्र. में नये सत्र में प्रवेश 1 अप्रैल 2018 से प्रारम्भ हो गए हैं। संस्था में प्रवेश के लिए छात्र का 5वीं कक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। अधिक जानकारी के लिए प्रबन्धक महोदय से सम्पर्क करें।

आवश्यकता है

रसोईया -2, वार्डन (संरक्षक)-1, क्लर्क-1, संस्कृत संस्थान में मानदेय पर संस्कृत अध्यापक-3, आधुनिक विषय-2 के अध्यापकों की आवश्यकता है। शीघ्र सम्पर्क करें-

स्वामी आनन्दवेश बलदेव नैष्ठिक,
प्रबन्धक मो. 999747990

प्रथम पृष्ठ का शेष

आर्यसभा मॉरिशस पहुंची .....

शिवम पिल्ले व्यापोरी को महर्षि दयानन्द जी का चित्र भेंट किया गया तथा महासम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में मॉरिशस गणराज्य के राष्ट्रपति के रूप में निमंत्रण पत्र भेंट किया तथा दिल्ली महासम्मेलन में उनकी गरिमामयी उपस्थिति का अनुरोध किया। तत्पचात् दोनों सभा के अधिकारियों ने मॉरिशस की विभिन्न आर्य समाजों का दौरा किया आपको बताते चलें कि मॉरीशस की 12 लाख की आबादी में 450 से ज्यादा आर्य समाजें, आर्य शिक्षण संस्थान मौजूद हैं। दिल्ली से पहुंचे आर्य प्रतिनिधि मण्डल ने मॉरिशस के सभी अधिकारियों, पुरोहितों-पुरोहिताओं, पंडितों-पंडिताओं से मिलकर दिल्ली आर्य महासम्मेलन में आने का निमंत्रण दिया सभी ने महासम्मेलन में बहुत उत्साह से भाग लेने को कहा।

यहां यह बताना उचित होगा कि मॉरिशस में पुरोहित और पुरोहिताओं के माध्याम से घर-घर में आर्य समाज का प्रचार कार्य किया जाता है। बैठक में आर्य प्रतिनिधि सभा मॉरिशस के प्रमुख कार्यकर्ता और अधिकारी उपस्थित थे। मॉरिशस के महामहिम राष्ट्रपति से भी मुलाकात की और सार्वदेशिक सभा की ओर से गए प्रतिनिधि मण्डल में श्री मास्टर रामपाल आर्य प्रधान हरियाणा आर्य प्रतिनिधि सभा ने महर्षि दयानन्द जी का चित्र महामहिम राष्ट्रपति श्री परमाशिवम पिल्ले व्यापोरी को भेंट किया व दिल्ली आर्य महासम्मेलन में आने का निमन्त्रण दिया साथ ही पूरे विश्व में फैले आर्य समाज की गतिविधियों एवं आर्य समाज द्वारा किये जा रहे जनउपयोगी कार्यों से अवगत कराया।

महामहिम राष्ट्रपति श्री परमाशिवम पिल्ले व्यापोरी जी ने सिद्धान्तत: सहमति व्यक्ति करते हुए कहा कि मैं इस सम्बन्ध में एक सप्ताह में औपचारिक निर्णय ले सकूंगा। मॉरिशस आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान श्री रामधनी जी एवं नव युवक कर्मठ मंत्री श्री धर्मवीर गंगू जी ने सभी आर्यों से दिल्ली आर्य महासम्मेलन में भाग लेने की अपील की। इस अवसर पर दिल्ली सभा के प्रधान श्री धर्मपाल आर्य जी, आर्य सभा मारीशस के प्रधान श्री हरीदेव रामधनी जी, प्रोफेसर सुदर्शन जुगेश्वर, डॉ. रुद्रसेन नीउर आदि महानुभाव उपस्थित थे।

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-2018, दिल्ली

भाग लेने के लिए अभी से रेलवे आरक्षण कराएं

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-2018 दिल्ली में भाग लेने हेतु दिल्ली आने वाले सभी आर्य महानुभाव अविलम्ब अपना रेल आरक्षण जिस भी रेल में मिले करा लें। ऐसा न हो कि देर होने के कारण आप को टिकट ही न मिले और आप महासम्मेलन में भाग लेने से वंचित हो जाएँ। जहां तक रेलवे छूट का प्रश्न है वहां 60 वर्ष से अधिक आयु के पुरुषों एवं 58 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं को रेलवे में छूट का प्रावधान पहले से ही है, जिसके छूट का लाभ लेते हुए अभी से आरक्षण करा लेना चाहिए। जन-साधारण के लिए रेलवे विभाग से किराया भाड़ा छूट प्रदान करने का निवेदन किया गया है। आशा है शीघ्र ही किराया भाड़ा छूट प्रमाण पत्र शीघ्र ही प्राप्त होगा। - ***संयोजक***

शोक समाचार

श्री विश्रुत आर्य को पितृशोक

आर्य प्रतिनिधि सभा अमेरिका के प्रधान श्री विश्रुत आर्य जी के पूज्य पिता डॉ. सुभाष वेदालंकार जी का 07 जुलाई 2018 को निधन हो गया है। उनका अन्तिम संस्कार पूर्ण वैदिक रीति के साथ 8 जुलाई को आदर्श नगर शमशानगृह जयपुर (राजस्थान) में किया गया। इस अवसर पर सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के उपमन्त्री एवं दिल्ली सभा के महामन्त्री श्री विनय आर्य, हरियाणा सभा के उप प्रधान श्री कैन्हैयालाल आर्य, गुजरात सभा से श्री वाचोनिधि आर्य, परोपकारिणी सभा से श्री सुरेन्द्र आर्य एवं ओम मुनिजी, डॉ. राजेन्द्र विद्यालंकार सहित अन्य अनेक संस्थाओं एवं आर्यसमाज के पदाधिकारियों ने पहुंचकर अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए।

श्रीमती गायत्री (दिव्या) आर्या को पति शोक

श्री मनोहर लाल सपरा (सोनीपत) के दामाद एवं श्रीमती गायत्री आर्या उर्फ दिव्या आर्य के पति श्री संदीप आर्य जी का मात्र 45 वर्ष की आयु में 33 दिन कोमा में रहने के उपरांत दिल्ली में 29 जून 2018 को निधन हो गया। उनकी स्मृति में श्रद्धांजलि सभा दिनांक 2 जुलाई को आर्य समाज मंदिर, बी ब्लॉक, जनकपुरी, नई दिल्ली में सम्पन्न हुई ।

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा एवं आर्यसन्देश परिवार के समस्त अधिकारी एवं कार्यकर्त्ता परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि वे दिवंगत आत्माओं को सद्गति एवं शोक-संतप्त परिजनों को इस दारुण दु:ख को सहन करने की शक्ति, सामर्थ्य एवं उनके पदचिह्नों पर चलने की प्रेरणा प्रदान करे। -सम्पादक

साप्ताहिक आर्य सन्देश में छपे लेखों तथा विचारों से सम्पादक मंडल अथवा दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा का सैद्धान्तिक मतैक्य होना आवश्यक नहीं है। - सम्पादक

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन - 2018

ध्यान देने योग्य बातें

1. महासम्मेलन में स्वयं तो आएं साथ में अपने परिवार व बच्चों को भी साथ लावें।
2. अपनी संस्थाओं के आर्यवीर/ आर्य वीरांगनाओं विद्यार्थियों को परिवार सहित साथ लावें।
3. अपने इष्ट-मित्रों, सम्बन्धियों को महासम्मेलन में आने के लिए प्रेरित करें।
4. ऐसे परिवारों को अवश्य आमंत्रित करें जो पहले कभी आर्य समाजी थे पर किन्हीं कारणों वश अब आर्य समाज से सम्बन्ध नहीं रख पा रहे हों।

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली : 25-28 अक्टूबर, 2018

आने वाले महानुभाव अपने आने की व्यक्तिगत सूचना तुरन्त भेजें

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-2018 दिल्ली, में भाग लेने वाले महानुभाव के लिए भोजन तथा आवास की व्यवस्था की गई है। अत: अपने आगमन की पूर्व सूचना अग्रिम भेजने की कृपा करें जिससे आपके ठहरने व भोजन की सुन्दर व्यवस्था की जा सके। आप अपना नाम, पता, मोबाईल नं., ईमेल पता निम्न प्रकार के प्रारूप में, **संयोजक, अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन दिल्ली-2018, 15 हनुमान रोड, दिल्ली-110001** के पते पर भेज देवें-

प्रपत्र का प्रारूप

1. नाम : .....पिता का नाम : .....
2. पूरा पता (स्पष्ट अक्षरों में) : .....
   .....
   राज्य ..... पिन कोड : .....
3. मोबाईल नं. : .....
4. ईमेल (यदि हो तो) : .....
5. सम्बन्धित आर्य समाज का नाम : .....
6. आगमन की तिथि : ..... प्रस्थान की तिथि : .....
7. आने का साधन : रेल/बस/निजी वाहन : .....
   (यदि निजी वाहन है तो वाहन का नाम व वाहन सं.):.....
8. आगमन स्टेशन का नाम : .....

दिनांक : ..... हस्ताक्षर

.....

आर्यजन महासम्मेलन में अपनी समाज की बैच लगाकर आएँ

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन में आने वाले सभी आर्यजन भाई-बहन अपनी पहचान के लिए अपनी आर्य समाज का सुन्दर बैच लगाकर आएँ। बैच में अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन का लोगो, महर्षि दयानन्द का सुन्दर चित्र, अपने आर्य समाज का नाम, अपना नाम व पता अवश्य अंकित करें। इससे आप की पहचान जहाँ आप के आर्य समाज और जनपद के साथ बनी रहेगी वहीं पर आम जनता में भी आर्य समाज और इस महासम्मेलन की चर्चा हो जाएगी। सम्मेलन का लोगो अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन की वैबसाइट www.arya mahasammelan.org अथवा दिल्ली सभा की वैबसाइट www.thearya samaj.org से डाउनलोड किया जा सकता है।

महासम्मेलन के अवसर पर होगा भव्य स्मारिका का प्रकाशन विज्ञापन, संस्था/आर्यसमाज/ पारिवारिक परिचय दें

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन -2018 दिल्ली के अवसर पर भव्य स्मारिका का प्रकाशन किया जाएगा। यदि आप अपना कोई विज्ञापन, अपनी संस्था/आर्यसमाज/ अपने परिवार के सम्बन्ध में सामग्री प्रकाशित करवाना चाहते हैं तो आप विज्ञापन के रूप में अपने पारिवारिक पृष्ठभूमि और कार्य का परिचय दे सकते हैं। इसके लिए **संयोजक, स्मारिका, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली-110001** को पत्र लिखें अथवा aryasabha@yahoo.com पर ईमेल करके सम्पर्क करें। - ***संयोजक***

सामवेद पारायण महायज्ञ

वैदिक भक्ति साधन आश्रम, आर्य नगर, रोहतक में 24 से 27 जुलाई को सामवेद पारायण महायज्ञ प्रात: 6 से 9 व सायं 3:30 से 6:30 बजे किया जाएगा। यज्ञ ब्रह्मा आचार्य अखिलेश्वर जी होंगे एवं वेदपाठ व भजन श्री सुशील शास्त्री एवं श्री अविनाश शास्त्री (गुरुकुल टंकारा) जी के होंगे।-***मंत्री***

चुनाव समाचार

आर्य समाज गोविन्दपुरी, नई दिल्ली

प्रधान : श्री सोम देव मल्होत्रा
मंत्री : श्री सुरेश चन्द्र गुप्ता
कोषाध्यक्ष : श्री सत्येन्द्र मिश्रा

आर्य समाज कृष्ण नगर, दिल्ली

प्रधान : श्री यशपाल शर्मा
मंत्री : श्री राज कुमार शर्मा
कोषाध्यक्ष : श्री विजय बजाज

समाचार संशोधन : आर्य सन्देश के पिछले अंक में प्रथम पृष्ठ पर प्रकाशित अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महा सम्मेलन, 2018 के समाचार अफ्रीका पहुंचा आर्य महसम्मेलन का निमन्त्रण के शीर्षक में घाना देश भी प्रकाशित हो गया था, जोकि प्रचार कार्यक्रम में सम्मिलित नहीं था। कृपया इसे सुधारकर कीनिया, युगांडा एवं दक्षिण अफ्रीका से पहुंचेंगे भारी संख्या में आर्यजन' पढ़ा जाए। पाठकों को हुई असुविधा के लिए खेद है। ***सम्पादक***

साप्ताहिक आर्य सन्देश

सोमवार 9 जुलाई, 2018 से रविवार 15 जुलाई, 2018

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15-हनुमान् रोड, नई दिल्ली-110001

दिल्ली पोस्टल रजि.नं0 डी.एल.(एन.डी.)-11/6071/2018-19-2020

नई दिल्ली पी.एस.ओ. में पोस्ट करने का दिनांक 12-13 जुलाई, 2018

पूर्व भुगतान किए बिना भेजने का लाइसेन्स नं. यू. (सी.) 139/2018-19-2020

आर. एन. नं. 32387/77 प्रकाशन तिथि: बुधवार 11 जुलाई, 2018

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन -2018 दिल्ली

25-26-27-28 अक्टूबर, 2018

भव्य स्मारिका का प्रकाशन

सभी आर्य समाजें व आर्य संस्थाएँ विज्ञापन अवश्य भेजें

यदि आप सम्मेलन के अवसर पर प्रकाशित होने वाली स्मारिका में विज्ञापन रूप में अपनी आर्यसमाज / संस्था की विशेष गतिविधियों का विवरण प्रकाशित करना चाहते है, जिससे आर्यसमाज के इतिहास में आपकी संस्था का नाम अंकित हो। स्मारिका 15 अक्टूबर तक तैयार हो जायेगी और 23×36×8 साईज में प्रकाशित होगी। पूरे पृष्ठ का विज्ञापन साईज 7.5"×10" का एवं आधे पृष्ठ का साईज 7.5"×5" होगा। आप अपना चैक/ड्राफ्ट **"दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा - महासम्मेलन-2018"** के नाम केवल खाते में उक्त पते पर भिजवाकर कृतार्थ करें। विज्ञापन सामग्री एवं डिजाईन हमें 30 सितम्बर 2018 तक अवश्य भिजवा दें। दरें निम्न प्रकार हैं -

(श्वेत श्याम विज्ञापन)		(रंगीन- चार रंगों में विज्ञापन)	
1. चौथाई पृष्ठ	5000/-	4. चौथाई पृष्ठ	7500/-
2. आधा पृष्ठ	7500/-	5. आधा पृष्ठ	12500/-
3. पूरा पृष्ठ	10000/-	5. पूरा पृष्ठ	21000/-

प्रतिष्ठा में,

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन: प्रकाशित स्मारिका हेतु निवेदन

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-2018 के अवसर पर प्रकाशित स्मारिका हेतु वैदिक विद्वानों, लेखकों एवं चिन्तकों से निवेदन है कि आर्य समाज के अनछुए विषयों, समसामयिक विषयों एवं आर्य जगत की महान विभूतियों जिनके कार्यों को आजतक किसी ने नहीं जाना-पहचाना उनकी स्मृतियों को दृष्टिगत रखते हुए लेखों को ए-4 साईज के पेपर पर बाएं साईड में कम से कम 2 इंच का हाशिया छोड़कर स्पष्ट अक्षरों में लिखकर या टाईप कराकर '**स्मारिका सम्पादक**' के नाम '**अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-2018', 15, हनुमान रोड, नई दिल्ली** -110001' के पते पर या ईमेल aryasabha@yahoo.com पर ईमेल करने की कृपा करें। -**सम्पादक**

पुस्तक विक्रेता स्टाल बुक कराएं

॥ ओ३म् ॥

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-2018

25-26-27-28 अक्टूबर 2018 (दिल्ली)

महर्षि दयानन्द नगर, स्वर्ण जयन्ती पार्क, सैक्टर-10, रोहिणी, दिल्ली (भारत)

स्टॉल आवंटन हेतु आवेदन पत्र

संस्थान का नाम :

पूरा पता :

दूरभाष/मोबाइल :

ई-मेल :

स्टॉलों की संख्या :

भुगतान का विवरण :

संस्थान प्रमुख का नाम :

दूरभाष/मोबाइल :

ई-मेल :

प्रतिनिधियों के नाम :

दूरभाष/मोबाइल :

ई-मेल :

बैनर पर मुद्रण हेतु नाम :

आप किस श्रेणी में स्टॉल लेना चाहते हैं निशान लगायें :

1. पुस्तकें ☐ 2. हवन सामग्री/यज्ञ पात्र ☐ 3. सीडी कैसेट्स ☐ 4. चित्र ☐ 5. औषधी ☐

6. अन्य :

आप अपने सामान पर कितने प्रतिशत की छूट देंगे :

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन-2018 में स्टॉल के नियम

* स्टॉल में केवल वैदिक साहित्य, प्रचार सामग्री, यज्ञ सम्बन्धित सामग्री आदि ही बेची जा सकेंगी। अवैदिक साहित्य व प्रचार सामग्री नहीं बेची जायेगी।
* स्टॉल का साईज लगभग 10x10 होगा। एक स्टॉल में 3 टेबल व 2 कुर्सी दी जायेगी।
* सभी स्टॉल धारक अपना सामान स्टॉल के अन्दर ही रखेंगे। स्टॉल के बाहर न सामान रखेंगे और न ही बेचेंगे। ऑडियो/वीडियो की आवाज कम रखेंगे जिससे कि दूसरे स्टॉल वालों को परेशानी न हो।
* दूसरे के स्टॉल में रखी टेबल आदि को उठाकर अपने स्टॉल में नहीं रखेंगे। अतिरिक्त सामान के लिये डेकोरेटर से सम्पर्क करें।
* आप किस श्रेणी में स्टॉल लेना चाहते हैं निशान अवश्य लगायें।
* स्टॉल का आवंटन समिति के विवेकानुसार होगा। समिति को अधिकार होगा कि वैदिक धर्म के विरुद्ध बेची जा रही सामग्री को जब्त करके स्टॉल खाली करा लिया जाये तथा किसी भी तरह का भुगतान वापिस नहीं होगा।
* भुगतान चैक/बैंक ड्राफ्ट/RTGS/NEFT/नकद द्वारा कर सकते हैं। चैक वापिस होने पर 500/- अतिरिक्त देय होगा तथा स्टॉल रद्द हो जायेगा।
* स्टॉलों की बुकिंग 25 सितम्बर 2018 को बन्द हो जायेगी। स्टॉल की संख्या सीमित है, बुकिंग पहले पूरा हो जाने पर पहले भी बन्द हो सकती है। आवंटित स्टॉल नम्बर 20 अक्टूबर तक बता दिये जायेंगे।
* सम्पूर्ण बाजार की सफाई में अपना स्वैच्छिक सहयोग देंगे।
* प्लास्टिक की थैली पूर्णतया प्रतिबन्धित होगी। उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना व उचित कार्यवाही की जायेगी।

हमने स्टॉल हेतु नियम पढ़ लिये हैं तथा इनको पालन करने का वचन देते हैं।

स्थान: आवेदक के हस्ताक्षर

संस्था का नाम

दिनांक: पद

कार्यालय प्रयोग हेतु

रसीद संख्या : स्टॉल :

भुगतान का विवरण : स्टॉल संख्या :

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के लिए मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक श्री धर्मपाल आर्य द्वारा हरिहर प्रैस, ए-29/2, नरायणा औद्यो. क्षेत्र-1, नई दिल्ली-28 से मुद्रित एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15-हनुमान रोड, नई दिल्ली-1; फोन : 23360150; 23365959; E-mail : aryasabha@yahoo.com; Web : www.thearyasamaj.org से प्रकाशित

सम्पादक : धर्मपाल आर्य सह सम्पादक : विनय आर्य व्यवस्थापक : शिवकुमार मदान सह व्यवस्थापक : आर्य डॉ० ओमप्रकाश भटनागर, एस. पी. सिंह